



Literacy for a Billion

Movie: Jis Desh Mein Ganga Rahta Hai  
Year: 2000

Song: Usne Bola Kem Chhe  
Lyricist: Dev Kohli, Praveen Bhardwaj

उसने बोला केम छे  
केम छे केम छे  
मैंने बोला एम छे  
एम छे एम छे  
नींद नहीं आती है रातों में  
अरे ये तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम छे

हे ...

हे उसने बोला केम छे  
केम छे केम छे  
मैंने बोला एम छे  
एम छे एम छे  
नींद नहीं आती है रातों में  
अरे ये तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम छे

उसने बोला केम छे  
केम छे केम छे  
मैंने बोला एम छे  
एम छे एम छे  
नींद नहीं आती है रातों में  
अरे ये तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम छे

उसने बोला केम छे  
ये दिल जलता है ऐसे

जैसे जलता है हीटर  
धड़कन चलती है ऐसे  
जैसे चलता है मीटर

बस बढ़ता ही जाता है  
जाने है कैसा फीवर  
कितना है तुझे बताऊँ  
गर हो जो थरमामीटर

हाय रोग ये दोनों का लाइलाज है  
लेकिन सेम छे  
सेम छे सेम छे सेम छे

उसने बोला केम छे  
केम छे केम छे  
मैंने बोला एम छे  
एम छे एम छे  
नींद नहीं आती है रातों में  
ये तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम छे

उसने बोला केम छे

या या या ...  
ओ ...

जब तुमने मुझके देखा  
और देखकर दी स्माइल  
मेरे भी दिल ने खोली



Literacy for a Billion

फिर चाहत वाली फ़ाइल  
जब लगा सीरियस होने  
आँखों आँखों में मॅटर  
फिर मेरे दिल ने तेरे  
दिल को लिखा लव लॅटर  
हाल चाल लिखा है ऊपर  
नीचे  
नीचे नेम छे  
नेम छे नेम छे नेम छे

उसने बोला केम छे  
केम छे केम छे  
मैंने बोला एम छे  
एम छे एम छे  
नींद नहीं आती है रातों में  
ये तो प्रेम छे  
प्रेम गंगू प्रेम छे प्रेम छे

उसने बोला केम छे  
केम छे केम छे

मैंने बोला एम छे  
एम छे एम छे  
नींद नहीं आती है रातों में  
आ तो प्रेम छे  
प्रेम बापू प्रेम छे प्रेम

आ तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम

आ तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम

आ तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम

आ तो प्रेम छे  
प्रेम छे प्रेम छे प्रेम छे

उसने बोला केम छे  
हाँ

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*